

Participants : Rawat Prof. Rasa Singh

an>

Title : Need to provide safe drinking water in Rajasthan.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : महोदय, राजस्थान की 70 प्रतिशत आबादी को फ्लोराइड युक्त जल पीने से अविलंब मुक्ति दिलायी जाए। लगभग साढ़े पांच करोड़ की आबादी वाला राजस्थान प्रदेश भौगोलिक विस्तार की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है, लेकिन देश के कुल भूजल स्रोतों में से केवल 1.9 प्रतिशत ही राजस्थान में हैं। जानकार विशोद्धों के अनुसार राजस्थान में केवल 7 से 8 प्रतिशत पानी ही पीने लायक बचा है। पिछले दो दशकों में खेती एवं पीने के पानी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भूजल के अत्यधिक दोहन से राज्य के सभी जिलों में पानी में फ्लोराइड, नाइट्रेट तथा अन्य अवांछित तत्वों की मात्रा खतरे की सीमा लांघ चुकी है। जिस तेजी से भूगर्भ से पानी का दोहन किया जा रहा है, उसी तेजी से अवांछित तत्व पानी में घुलते जा रहे हैं। एक मापदंड के अनुसार पेयजल में फ्लोराइड 1.5 मिलीग्राम प्रति लीटर होना चाहिए, लेकिन गत दिनों किए गए सर्वे में 23 हजार गांवों व ढाणियों में पानी में फ्लोराइड की

*The speech was laid on the Table.

मात्रा प्रति लीटर 1.5 से अधिक पायी गयी। विगत एक दशक में भूजल के अत्यधिक दोहन से राज्य के करीब पांच हजार गांवों में फ्लोराइड की समस्या ज्यादा बढ़ गयी है। इसी प्रकार नाइट्रेट 45 मिलीग्राम प्रति लीटर होना चाहिए, जबकि राज्य के साढ़े सात हजार गांवों में पानी में नाइट्रेट की मात्रा सौ मिलीग्राम से अधिक पायी गयी है। राजस्थान में फ्लोराइड एवं नाइट्रेट से प्रभावित जिले टोंक, चुरू, बाड़मेर, जालौर, जैसलमेर, राजसमंद, अजमेर, दौसा, जयपुर, नागौर, पाली, सिरोही, जोधपुर, सीकर, धौलपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, बूंदी, बांरा, श्री गंगानगर, करोली, झालावाड़, कोटा, भीलवाड़ा, बीकानेर, हनुमानगढ़, सवाई माधोपुर, चित्तोड़गढ़, उदयपुर, झुन्झुनू, अलवर तथा भरतपुर हैं। भूजल में फ्लोराइड एवं नाइट्रेट की मात्रा अधिक बढ़ने से फ्लोरोसिस जैसी विभिन्न खतरनाक बीमारियां अपना जाल फैलाती जा रही हैं, जिससे राज्य के लाखों लोग फ्लोरोसिस से पीड़ित हो अपंग तथा निष्क्रिय जी वन जीने को मजबूर हो रहे हैं। विश्व की फ्लोराइड से प्रभावित कुल आबादी का 10 प्रतिशत राजस्थान में ही विद्यमान है। प्रदेश के करीब 70 प्रतिशत लोग फ्लोराइडयुक्त जल का उपयोग कर विभिन्न रोगों से ग्रस्त हो रहे हैं। राज्य में कहीं तो इतना अधिक फ्लोराइड है कि सेवन करने वालों के दांतों में पीलापन, हड्डियां कमजोर, कुबड़ापन तथा अन्य अस्थि रोगों के साथ-साथ उम्र से पहले बूढ़े हो रहे हैं। इस प्रकार नाइट्रेट से पाचनतंत्र बिगड़ने के साथ-साथ सांस लेने में भारी तकलीफ हो जाती है। यद्यपि राजस्थान सरकार अपने सीमित वित्तीय साधनों से प्रभावित क्षेत्र के निवासियों को शुद्ध उपलब्ध कराने का भरसक प्रयास कर रही है, परंतु विकराल समस्या के सम्मुख सीमित संसाधनों से पार नहीं पाया जा सकता।

अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि राजस्थान के करोड़ों लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने तथा फ्लोराइड एवं नाइट्रेटयुक्त जल पीने से मुक्ति दिलाने हेतु विशेष केंद्रीय योजना बनाकर भरपूर वित्तीय सहायता प्रदान करवाया जाय।

MR. CHAIRMAN : The House stands adjourned to meet again tomorrow, the 25th August, 2006, at 11 a.m.

23.25 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Friday, August 25, 2006/Bhadra 3, 1928 (Saka)

[\[R1\]](#)Bengali speech cd.